

30 + 4

169

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

— इस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक. ३७२ (२०६)

ग्रंथ नाम ज्ञानेश्वरी शब्दकोश.

विषय म०कोश.



॥ श्री ॥ गणेशाय नमः ॥ वोविशब्दत्रय
 ॥ वेद ॥ वर्णवपु ॥ अकारादिभूटव
 स्वरूप ५ खेवणो ॥ क्रोदुषो ६ ॥ अंबर
 वस्त्र ॥ सपूरवो ॥ रिक् १९ ॥ सडका ॥ अ
 यथाग १० ॥ विसंवाद ॥ मतांतर १२ ॥
 खंडित ॥ अर्थ १३ ॥ त्रिविम्ब ॥ अ
 तिनिर्मल १५ ॥ उक्तेषा ॥ शाना १७ ॥ नि
 कुंता ॥ गंडस्त्रके ॥ हीतहस्ति ॥ मकरंद
 १ पुष्परस ॥ सुवसा २० ॥ आदिबीज
 १ उंकारा २५ ॥ वगाहनि ॥ स्नानानि २७ ॥
 अभिवंदितानि ॥ नमस्कारितानि ॥ आभ
 ळानि ॥ सिला ॥ प्रार्थितानि ॥ ३० ॥ विशिष्ट
 वरिष्ठ ३२ ॥ अविस्मरानि ॥ प्रविशो
 क्तेनि ॥ ३३ ॥ गुरुवतिचा ॥ थोरप
 णाचा ॥ ३४ ॥ शब्दशोभा ॥ सख्यस्त्री
 कौतमशास्त्र ३७ ॥ विदपणा ॥ जाण
 पना ३८ ॥ विक्र ॥ आधिक्य ३९ ॥ अ
 पाडे ॥ अहिक्य ४० ॥ पातले ॥ प्राप्तसा

कता ॥ ११६ ॥ पन्नासिले रविले थेकु
 ले थोडे ॥ ११७ ॥ दुवाड पण ॥ दुस्तर स्वत
 रवेना ॥ विरजा ॥ साध्य ॥ ११९ ॥ वोर वि
 ले निपाडे ॥ अमुच्यासे न्याडुनि थोडे
 ॥ १२० ॥ वेथु ॥ दंडगा ॥ १२२ ॥ अरणि ॥ रक्ष
 णि ॥ १२३ ॥ वरगणी ॥ वाटनि ॥ १२६ ॥ उप
 जतसे ॥ वाढ तसे ॥ १२७ ॥ बुळगा ॥ प्रति
 ध्वनि ॥ थावे ॥ वळे ॥ १३१ ॥ धाकडसि ॥ व
 ळिष्टासि ॥ १३२ ॥ भोगळे ॥ ठोळ ॥ १३३ ॥ वि
 सणले ॥ वेसणले ॥ १३४ ॥ काचया ॥ अ
 धिरा ॥ अंगने घे ॥ पुढ हाडना ॥ १३६ ॥ तुर
 वाद्य ॥ बंबाळ ॥ महानाद ॥ १३८ ॥ कातळे
 घोडे ॥ १३९ ॥ रंवर ॥ रथश्रेष्ठ ॥ १४५ ॥ बवा
 ळ ॥ समुदाय ॥ १४६ ॥ विसणला ॥ वेसण
 ला ॥ १५० ॥ अंतक ॥ यमा ॥ गजविजेला ॥
 भीडनि राहिला ॥ १५६ ॥ आसुडता ॥ अ
 हलाद ॥ १५७ ॥ मोकळवादि ॥ स्वस्थान
 साग ॥ १५९ ॥ आदिपुरुष ॥ १५९ ॥ गवंत ॥ १६२
 ॥ घटाआंत ॥ समुदायांत ॥ १६५ ॥ येकव
 ळले ॥ उठानले ॥ दंडि ॥ दोदंडि ॥ १७२ ॥ वा
 ळिवापुरुषार्थ ॥ १७७ ॥ पाडेविण ॥ योग्य
 तेविण ॥ १८८ ॥ सिद्धि ॥ मोक्ष ॥ २०३ ॥ ओ

③ ले ॥ ५१ ॥ निवडिले ॥ निघाले ॥ निरव
 धि ॥ अवधिनाहि ॥ न्वनित ॥ गीता
 ॥ ५२ ॥ कडसिले ॥ विचारिले ॥ ५४ ॥ पारंग
 ति ॥ पारमावले ॥ ५६ ॥ तळगे ॥ लाहणे
 ॥ ५७ ॥ हे ॥ गीतापद ॥ ६० ॥ अनुराग ॥ प्री
 ति ॥ ६१ ॥ अथिला ॥ भाग्याचा ॥ ६६ ॥ क
 वळु ॥ बोलेला ॥ हेजाणतो ॥ ६७ ॥ उपनळा
 ॥ उपजला ॥ ६९ ॥ अपाडा ॥ अशक्य ॥ ७० ॥
 विवरि ॥ विचारी ॥ चमत्कारोनि ॥ संतोषो
 णि ॥ ७५ ॥ सधरा ॥ ससर्थु ॥ आथि ॥ अ
 हा ॥ ७६ ॥ नारति ॥ सरस्वति ॥ ७९ ॥ दारु
 यंत्र ॥ काष्टाचि ॥ पुतळि ॥ ८३ ॥ सुडकरि
 वेगळवकरि ॥ सांग ॥ ८५ ॥ धर्मालय
 ॥ घर ॥ मजि ॥ भिसे ॥ ९० ॥ सादुकला ॥ प्र
 दीप्त ॥ उधवळा ॥ उसळला ॥ ९१ ॥ परिक
 र ॥ प्रखर ॥ ९६ ॥ अवगमले ॥ भाषले
 ॥ ९२ ॥ मान ॥ प्रकारे ॥ घटते ॥ समुदाय ॥
 १९५ ॥ करठा ॥ शाहाणा ॥ ९९ ॥ विक्रांते
 ॥ पराक्रमि ॥ १०७ ॥ अडदर ॥ ११५ ॥ १०० ॥
 धाता ॥ ब्रह्मा ॥ ११० ॥ आराईले ॥ आनुस
 रले ॥ १११ ॥ सुभटासि ॥ युधा ॥ सि ॥ ११२ ॥
 पाडे ॥ अधिक्य ॥ ११३ ॥ कुळ ॥ कृपा ॥ कुरा

(५)

रे। अधिक्ये। १९६। अहाणा। दृष्टांत। १९७। धा
 डिले। गमाविले। १९८। अभिरापा। निराकुर
 तील। १९९। उपहति। पराभवा। २००। अभि
 भाविजे। पराभविजे। २०३। माघौता। मा
 घारा। गति। दयेस्तवपलायन। नमनेला
 पलालाक्षणतिल। २०६। विपाये। कदाचि
 त। माघौते। माघारा। २१३। वाढजाले। व
 ककट। २१८। कुटी। निदा। २२०। अनक
 लित। सहज अनयासे। २२२। प्रवेचि।
 नावेचि। विपावे। कदाचित्त। स्वअमृत
 दुधे। २३०। मुककित। संक्षिप्तै। आ
 च्युचित। २३१। त्रित। २३४। नभोगि
 जे। नरुछिजे। निरिद्विजे। पाहिजे
 ॥ २३५ ॥ अपलाडिया। नित्यक्रि
 या। अकलुनराके। स्वास्थिननकरि
 ॥ २३६ ॥ थेकुटि। लाहाण। २३७। ला
 हाणेप्राप्य। २३८। विकरति। विष
 याकार। २४४। दुष्ट। प्राप्तौ। अभि
 भूत। वरया। २५४। धाडिति। दवाडि
 ति। २५६। आवृत्त। व्याप्रीले।

७ लार। कमळे। भाजेचि ना। जैसि अ
 हतेसि ॥ ७२ ॥ प्रौढि। थोरपण ॥ ७३ ॥
 अवलिका। सहज ॥ ७९ ॥ वळ। पर्वत
 उन्नेषाचि। ज्ञानाचि। ८६ ॥ निरवधि
 उत्तम ॥ ८८ ॥ सरोष। सकोथ। थोकले
 युष्ठा। आधि। आहे ॥ ९९ ॥ आहाच। वर
 चेर ॥ ११२ ॥ अल्पविति। बुडविति ॥
 ॥ ११४ ॥ व्याप्ति। व्यापकपण ॥ १२० ॥
 किडाळ। हीन ॥ १२२ ॥ अयणि। साम
 र्थ्य ॥ १३२ ॥ निष्कर्ष। सिद्धांत ॥ १३९ ॥ अ
 पजे। नाहे ॥ १४२ ॥ अपेसे। सहज ॥ १४६ ॥
 नापुत्रे ॥ बुडेना ॥ न संभव ॥ न प्रप
 वे। जळेना ॥ शुक्नो हे ॥ १४८ ॥ अप
 नो हे। प्राप्त नो हे ॥ १४९ ॥ अविच्छत।
 विकाररहित ॥ १५२ ॥ अंतवंत। नाशि
 वंत ॥ १५३ ॥ अनुस्युत। अखंड ॥ १५८ ॥
 अपरिहर। अणिवार ॥ १६७ ॥ पढिया
 सा। नदिसे ॥ १७३ ॥ निरवधि। अयं
 त ॥ १८४ ॥ सुदळे। क्वळ ॥ १८७ ॥ नाड
 ळिजे। न अडखुळिजे ॥ १९३ ॥ पतिक
 रे। अंगिकारे ॥ आर्त्ति। प्रीति। पडिभ

6

५

मोवरा ॥ ॥ इषताथोडाहि ॥
 ॥ ३६ ॥ अधति ॥ अथैर्य ॥ ॥ ३६ ॥
 पावके ॥ लुछ ॥ पालिवणे ॥ पर्णशा
 ला ॥ ॥ इवडुनि ॥ निजुनि ॥ ॥ ३७ ॥
 उवाइला ॥ सुखिजाला ॥ इतिज्ञाने
 श्वरिठिपपाभाषायां द्वितीयो
 ध्यायः संपूर्णः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥



(Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

७

॥२६८॥ ठाके ॥ राहो ॥ आपरितोषे ॥
 संतोषे ॥ २७० ॥ सगुण ॥ पूर्ण ॥ २७५ ॥
 कर्मशेष ॥ कर्मसाध्य ॥ २७७ ॥ पारंग
 त ॥ प्राप्तसिद्ध ॥ २७९ ॥ निरामयानि
 विघ्न ॥ २८२ ॥ पारुषेल ॥ राहेल ॥ २८६ ॥
 उन्मेष ॥ संतोष ॥ २८८ ॥ भुंजे ॥ भोगी
 ॥ २८९ ॥ विलसो ॥ शोभे ॥ २९४ ॥ आर्ति
 ईछा ॥ आडम्वेजेना ॥ अडचेना ॥ २९८
 ॥ अनविच्छिन्ने ॥ व्यापक ॥ २९९ ॥ नभि
 भवे ॥ नागवे ॥ ३०१ ॥ उवाइला ॥ उसा
 हयुक्त ॥ ३०६ ॥ रसहट ॥ रसनिग्रह ॥
 ॥ अंबो अकार ॥ ३१३ ॥ थोटाव
 ल ॥ असमर्थ ॥ ठाये ॥ राहे ॥ ३१८ ॥ सं
 तता ॥ स्वाधिन ॥ ३२१ ॥ उपनला ॥ उप
 जला ॥ संमोह ॥ मोठामोह ॥ ३२३ ॥
 अहत ॥ नष्टहोते ॥ ३२६ ॥ अष्टकविजे
 कुडविजे ॥ ३२५ ॥ भवे ॥ अंधकेपणे
 ॥ ३२९ ॥ विषाय ॥ कदाचित् ॥ येसने
 येकडे ॥ ॥ निर्मिना ॥ आर्षिना
 ॥ ३३० ॥ कुडसणि ॥ विचार ॥ ३३५ ॥ दुरावर्त

(8)

ना॥७३॥सोया॥मार्गकळला॥७५॥वि
 शेषिजे॥थोरस्मणति॥७७॥नसंभव
 नघडे॥७८॥हेवु॥अहंकार॥इजपर
 तंत्र॥पराधिन॥भुतला॥भुलला॥८५॥
 संस्छा॥शाला॥प्राकार॥१०॥साक्रां
 क्ष॥काम्य॥१५॥परितोष॥संतोष॥
 १९॥प्रणिये॥आज्ञेतसाहसिले
 १९०१॥काढत॥थावत॥१९०२॥अनाव
 रा॥सुखी॥निरत॥अस्यंतरते॥१९०४॥
 सुरि॥देवि॥१९०७॥आथिले॥सामर्थ्ये
 १९०८॥अपावो॥नार॥१९११॥निजवृ
 त्ति॥अपुत्रास्वधर्म॥१९१४॥देव्यजात
 ॥दिनता॥१९१६॥निरत॥पर॥१९३४॥
 प्ररोह॥उत्पत्ति॥वर्ष॥पर्जन्या॥१९३५॥
 अक्षर॥ब्रह्म॥ब्रह्मवद्ब्र॥ब्रह्मरू
 पो॥आ॥प्रीति॥अधिवास॥राह
 णा॥१९४४॥बोधेविअले॥प्रवाहे॥वो
 संडावे॥सांडावे॥१९४६॥नसिंपे॥न
 लिंपेवि॥१९५१॥अनुसरले॥अंगी
 कारिले॥केवल्या॥मोक्ष॥१९५७॥वो
 जे॥उमजे॥१९६५॥वरळा॥क्रांत॥१९६६॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नो विं वारु
 नि। करु नि। सुये। घालणे। ११। सुई
 जे। घालिजे। ११। नवाई। थोरनकळ
 ॥ अनुसर लिया। शरण अलिया।
 १२। बोटगावे। विश्वासावे। १६। ध्व
 निते। शब्दाते। अवगमिता। विवा
 रिता। १७। मरुवा। स्पष्ट। २२। अपे
 ते। स्वाधिन। २३। कावे। पावावे।
 मागील। धावत अला। २६। सवेसा
 । स्वरेछा। पाहाला। जाला। ३२। ध्वनि
 संक्षिप्त। ३४। उतुं कलिले। ३६। सां
 खी। सा निगुपैक्ये स। निर्वाणामो
 क्ष। निर्विण्णा। निपुण। वेळ। चित्त।
 शुद्ध। समई। ४५। कर्महिना। निष्क
 र्म्य। ४७। व्यसन। कार्य। ४८। निसर्त
 ता। निरीछत्व। ५०। नैष्कर्म्य। ब्रह्म।
 ५१। अपादिले। अरंभिले। ५२। सै
 रा। व्यर्थ। ६०। परतंत्र। परार्थीना। ६१।
 नैष्कर्म्य। ब्रह्मनिष्ठ। ६५। फुडे। खरे।
 ॥ ६६। गुठ। गुप्त। ७१। नविं पो। श्रीजि

10

6

माझेक्य। २०६ उन्मेषाचा अ
वधानाचा ॥ ॥ शक्ति ॥

[Faded handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]



(11)

अथिला। संपन्न। सविशेष। अवघेक
रावे। १७। खेकता। सहज। १९२। अ
नुपरोध। यथार्थ। १९५। अर्थवाद।
स्तुतिपात्र। १९७। पाहाले। उजेडले।
२००। लाहाति। लागति। २०४। उद्धव
ला। अधिकजाला। २१०। अपजेल।
उपजेल। २२५। सांकडे। कठीणा। दु
वाटा। वाईटा। २२९। उभययेंता। इह
परलोकि। २३६। सुइजति। घालि
जति। २३७। विवसि। बाधक। १७२
धोंड। दुष्ट। कोडा। उन्माद। दबड
अघात। २४४। विक्रं। अधिकं। १७
भोजे। स्वइछेने। २५२। त्राया। स
ता। आंठाते। आंतअहेत
। उल्बाधि। वारेचि। २६३।
विभुद्ध। असंतभुद्ध। २६८। कुर
ठा। घर। २६९। पारुषले। मोउले
बुद्धिचि। जिवोपाधि। बुद्धि। ना
श। २७२। पदपिंडाधि। जीवपरमा

सिमा। फिटेदुर होय। फुटे। प्रातः का
 का। ५५। अजले। न हाणि हाणे। ज्वा
 किला। देह। नचक। आत्मा। नाक
 के। कवेना। ५५। आथिले। साम
 र्थे। ५। पदर। भेद। ५। कुडसले
 ५। इजाळे। ६९। अचची। ब्रह्माते
 ५०। जो। ज्ञेय। ५। समय। बर
 वे। ५६। साक्षरत। प्रकाशक। ५। क
 उसणी। विनेक। ५। गाडे। इछने। ५
 क्रांतदशी। जापते। ५। समवेत। संघ
 र्ण। ५। उपयोगसि। प्रकसि। ५। वा
 नि। निश्चय। गहन। दुर्गम। ५। १६। उल्ला
 साहर्ष। ५। विहिते। बोलिलि। ५। अ
 भावे। ब्रह्मभावे। ५। युक्ति। वज्र
 बंध। उडियाणा। जालंधर। ५। विवक
 ले। पाहिले। विहार। कुडरचना। आपा
 वत। प्राकट्य। ५। पलिंपलि। जका
 लागलि। ५। निरवाडि। अनुरूप। ५।
 ५। सादुकपणे। पेटविले। गतिजे। पा

(13)

श्रीगणेशायनमः॥ वो वि३ विनोद।
कोतुक। ६। अतिप्रसंगे। अतिशये।
७। अधिष्ठिता। युक्तजाला। ८। येतुल
। येवटि। विक्र। अधिक्र। आथि। अहे
। १०। येणंमाणे। याप्रमाणे। ११। निरो
प्रस। उपमानाही। १२। येकवंद्वि। यका
कार। १४। माने। प्रमाणे। सहप। क
पायुक्त। १५। आवतरला। स्वाधिन
जाला। १६। हावियोग। कर्मयोग। २
१। अकटली। कर्मगोली। २२। ख
वणे। बोध्यजन। नासंधा। गर्भांध
कायअर्थी। नाहि। २३। अस्थानि।
सभा। २४। पठियेसि। आवडसि
अनुसंगाचा। विश्वासाचा।
२५। जोजार। जंजाक। २६। साप
चा। अलाकडील। २७। येकहकाअ
किरारिता। २८। अजहि। होतनाहि
२९। अव्ययाल। नित्यत्व। ३०। अ
भिवि। पराभवि। ३१। अवधि।

14

विजे। कुहाडावे। न जाणावे। सां
कडे। कठिण। १४९। निज। ब्रह्मा। भ
वशिष्ट। शेष। न काळियाचे। प्रथ
मफळ। उन्मेष। ज्ञान। कुर
हा। धर। अकिंगोनि। भजोनि।
किडाक। फटकाळ। पाडे। या सारिखे
ठिसाक। थोर। १५६। काजकि। राखा।
उधवलि। उडाळि। १७८। असंघडे। अ
घटीत। पाडे। सारिखे। १८०। महोतेज
। स्वरूप। युग। कुमार। १८१। अचुंबि
त। संपूर्ण। १९७। साविया। सहजा। फुडे
। खरे। २१२। उन्नेती। अधीकृता। २१३
अयणि। इष्टा। २१४। अभिनवला। प्र
गटला। २१८। रेखा। अक्षररेखा। २
२५। अधिलिया। बहुता। अवकाशो।
इति

महत । श्रोत । ध्या । धुरे । पुढे । । करत
 नवीन कर्म । कर्तृत्व अभिमान रहित
 । गुरुगम्य । जेजे कर्म । ६५ । प्रांग । परा
 धी नत्व । ६७ । अक कित । विचारिता ।
 घाघुसिता । शोधिता । ७० । निरुते । ख
 रे । ७२ । ककासला । बाधत्मा । ७७ । न
 सिंघे । नस्परी । ७८ । सकु । तनुत्व । सा
 चेदो नि अर्धा । इक वा उयका । दुसरास
 सुदाय । ८० । पारी । वि । अवकिसि । ८१ ।
 नूर्ति । ये निमेके । शरीराचे योगे । ८३ ।
 मसैरे । आधार । ८४ । वासमता । अ
 हता । ८५ । उता । धार । ८९ । खेचर
 । अदृश्य । संसारालोक । ९० । न
 वीकरे । विचार होइना । ९० । अपणा
 पै । अलस्वरूप । निजा । अश्लीय । ९
 ०८ । उपाइले । उल्लुष्ट । ९१ । अकुकेले
 । भुकेले । तुषाते । कोशा । ९३ । कायसु
 ख । शरीरसुख । साधखे । युक्त । ९१ ।
 मधुर । मधुर । ९१ । रोहिणी । अगज
 का । प्रवादु । बोलणे । बरका । अमे । ९१ ।

श्रीरामसमर्थ। वोवि० एकसराते। अन
 न्यथ क्ताते। ध्ववि० संक्षिप्त। आस्पष्ट।
 गुप्त। ७। अनुंबित। संपूर्ण। साविया। स
 हज। ८। सांगडे। संहजंसा रिखे। १३। कु
 रठा। घर। वसोटा। वस्ति। १३। चमत्का
 र। अश्रीर्य। सवेना। स्वइछा। १६। प्रो
 जका सुगम। २२। घेतजाले। अंतःक
 रण। २६। संसृष्टा। निर्णय। २८। सम्य
 क्। वरव। २९। सांखी। सजानी। यो
 गी। कर्मयोगी। गमीजा। पावीजा। ३१।
 पाहले। उजाडले। ३२। निमुथा। मा
 था। वहिले। सत्त। योगी। पवे। ३३।
 योग। कर्मयोग। सांडे। होईना। स
 न्यासावि। ज्ञानावि। ३४। हरुठिया
 तदपकरुने। ४७। सुतला। निजेला
 १५०। सुतला। १५१। सुतला। १५२। अधिष्ठान।
 अत्मसंगति। अथि। अहे। ५०। नसिं
 पे। नसिजे। ५२। महावे। म्रगद।
 १५४। संसरा। वीस्तारा। ५५। पिटे
 दूरहोय। ५६। प्रातःकाक। ५७।

(१४)

१६१। सुहाडा। शाता। १६२। उवाइले
 प्रसनजाले। १६४। विवरुनि। वि
 पारणि। अककीले। जाणितले। वि
 वकासविस्तर। । अथि। काहि।
 साधन। उपाये। १६६। काका। विलं
 व। १६७। पडिताका। पुनरपी। तोचि
 प्रमेयवोलाचे। । पडियंते। अ
 वडते। १७१। ते। दृष्टी। १७२। विसरा।
 विस्मय। अककावा। जाणावा। ७५
 ध्वनिभावा। बोलात। १७६। विना
 दाकोसुके। । उरु। लीपिलेख
 हेय। । इति। १७७। १७८। १७९।
 १८०। १८१। १८२। १८३। १८४। १८५।
 १८६। १८७। १८८। १८९। १९०।
 १९१। १९२। १९३। १९४। १९५।
 १९६। १९७। १९८। १९९। २००।
 २०१। २०२। २०३। २०४। २०५।
 २०६। २०७। २०८। २०९। २१०।

विश्रान्त। निश्चीत। १२१। अंतर। अभिप्रा
य। १२५। विषई। विषयासक्त। १२६। नाधि
ले। नासत्ते। १२८। दुःख। विषयसुख।
हाविले। देखिले। १२९। यांचि। कामक्रो
धवेगाचि। १३०। बाधाचि। विषयसुखा
चि। अधि। अहे। १३२। आठि। अक्य।

प्र साक्षि। म्रश्न। जाणते। उत्तरे। १३७। सा
मरस्याचे। ब्रह्माचे। १३८। अनुकार। स्व
रूप। १४०। सात्त्विक। भुइत्व। १४१। रचसि
। तमयहोसि। कथेचि। ग्रंथार्थाचि। नि
र्मळि। निराकारि। १४२। मुकुटि। ठेवि।
१४३। उवाइत। अभिप्राय। वा। जी
येणविचे। ब्रह्मगाविचे। १४४। भाग। द्व
वगेले। निःसंशय। सर्वभूतनात्मकत्वे
१४५। जेथ। अत्मस्वरूपि। स्ततले। त
न्मयजाळे। १४६। निर्वाण। मोक्षा। जे। ब्र
ह्म। १४७। येऊदरे। येऊकरे। अध्या
सारहित। १४८। पारौषो। निया। वा
हेरजाईना। १४९। व्योम। हृदयाका
श। गामियो। मन्नाकरिति। हृदयागत।

संगान्ना। विरुक्ताचा। ४०। अ वक्राशा।
 भेदा। ४३। रागि। असक्त। ४४। उद्धिज
 विरुढे। ४५। अन्वयाचिनि। वंशाचे
 नि। अनुकरे। कुलधर्म। ४६। साठो
 पासाहंकार। ४९। विचंबे। खोळ
 बे। ५०। सारिसे। त्यासारिखे। सवा
 घेताच। ५१। रेखा। यथोक्तकर्म॥
 ५३। धटे। निश्चये। ५४। निमथा।
 माथा। सोपान। पायरीया। ५६।
 - धडा। फांडा। ५८। जवरे। सेवठा।
 सांडे। राहे। ६०। पासवे। राहे। ६१।
 निरवधि। बहुता। अवसान। अक
 स्मात। स्वस्ति। बरे। ७३। चारुच्छ
 ळि। सत्यमानि। ७४। संदु। छंदु।।
 ७८। फुडा। खरा। ७९। अंघुडला
 सांपडला। ८०। नाथिले। लुटके
 ८५। वाहणे। प्रवाहाकडसनि
 विचार। ८८। विज्ञानासक। प्रपे
 चासक। ८९। उहा। पुहि। होयनोह
 ९२। यसणे। येवडा। ९५। फाद्या



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com